डिजिटल माहौल में प्रोस्यूमर के तौर पर शिक्षक

Dr Sameer Babu M

JMI

Prosumer?!

एल्विन टॉफ़लर (Alvin Toffler), (1980) ने अपनी किताब "The Third Wave" में तर्क दिया है कि उपभोक्ता औद्योगिक युग (Industrial Age) की देन हैं। जैसे-जैसे समाज उत्तर-औद्योगिक युग की ओर बढ़ेगा, वैसे-वैसे केवल उपभोक्ता (pure consumers) रहने वालों की संख्या कम होती जाएगी।

Prosumer?!

उनकी जगह "प्रोस्यूमर" (prosumers) ले लेंगे—यानी ऐसे लोग जो अपनी कई ज़रूरतों या आवश्यकताओं को खुद ही पूरा करते हैं।

Consumer?!

उपभोक्ता: आप दूसरे देशों से तैयार फ़ोन, कंप्यूटर और प्रोग्राम खरीदते हैं। इससे आपकी स्थानीय अर्थव्यवस्था से पैसा बाहर चला जाता है। अपडेट और मरम्मत के लिए आप पूरी तरह से बाहरी कंपनियों पर निर्भर रहते हैं।

Consumer?!

टेक्नोलॉजी और ज्ञान भी!

Producer?!

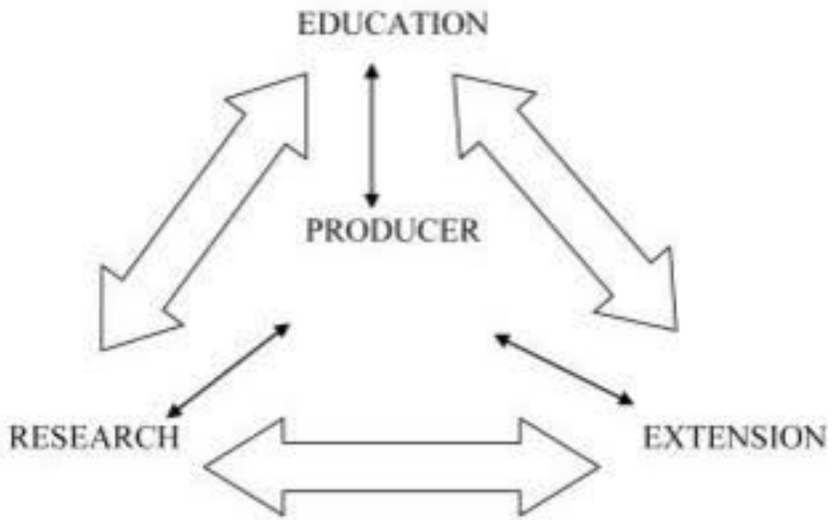

प्रोड्यूसर: आप कंप्यूटर चिप्स डिज़ाइन करते हैं, ओरिजिनल सॉफ़्टवेयर लिखते हैं और हार्डवेयर को स्थानीय स्तर पर बनाते हैं। आपकी अर्थव्यवस्था में पैसा आता है । आप नियम बनाते हैं और बाकी दुनिया को सामान बेचते हैं।

Prosumer?!

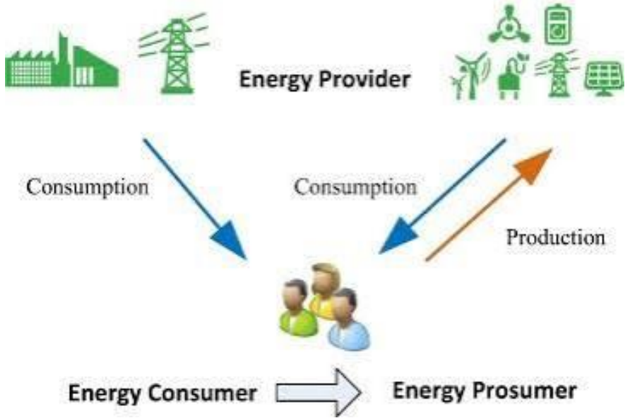

उपभोक्ता + उत्पादक = प्रोसुमर

Prosumer?!

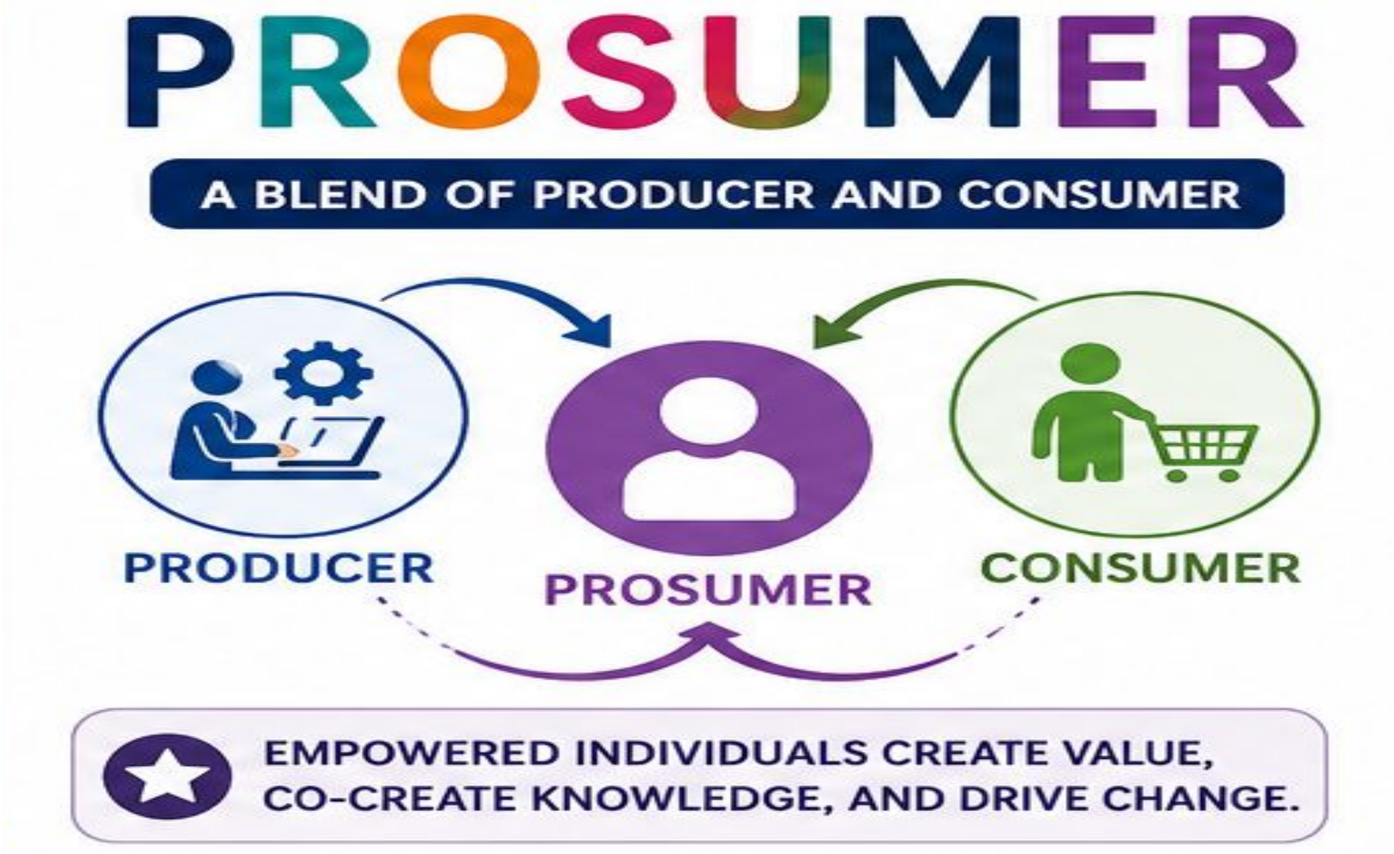
PROSUMER
A BLEND OF PRODUCER AND CONSUMER
PRODUCER
PROSUMER
CONSUMER
EMPOWERED INDIVIDUALS CREATE VALUE,
CO-CREATE KNOWLEDGE, AND DRIVE CHANGE.

टीचर्स टेक्नोलॉजी क्यों बनाते हैं?

- पर्सनलाइज़्ड लर्निंग: वे ऐसे टूल बनाते हैं जो छात्रों की खास ज़रूरतों के हिसाब से हों।
- असल दुनिया से जुड़ाव: वे डिजिटल मटीरियल को स्थानीय क्लासरूम के हिसाब से ढालते हैं।
- क्रिएटिव आज़ादी: वे विशेष क्विज़, ऐप और लेसन मॉड्यूल बनाते हैं।

शिक्षक कितनी मेहनत से काम करते हैं?!

- टेस्टिंग: वे सीधे स्टूडेंट्स के साथ नए डिजिटल टूल्स आज़माते हैं।
- फ़ीडबैक: वे देखते हैं कि क्या काम कर रहा है और जो काम नहीं कर रहा, उसे ठीक करते हैं।
- सुधार (improvement): वे टेस्ट के नतीजों के आधार पर अपने डिजिटल डिज़ाइन्स को अपडेट करते हैं ।

शिक्षक कितनी मेहनत से काम करते हैं?!

- एक्टिव क्रिएशन: शिक्षक सिर्फ़ प्रोप्राइटरी टेक्स्टबुक्स पर निर्भर रहने के बजाय ओरिजिनल ई-कंटेंट, वीडियो लेक्चर, पॉडकास्ट, इंटरैक्टिव क्विज़ और इन्फोग्राफिक्स तैयार करते हैं।

शिक्षक कितनी मेहनत से काम करते हैं?!

- संदर्भ के अनुसार बदलाव: कड़े और तयशुदा मटीरियल का इस्तेमाल करने के बजाय, प्रोस्यूमर शिक्षक अपने क्लासरूम के माहौल और अलग-अलग तरह के छात्रों की ज़रूरतों के हिसाब से कंटेंट में बदलाव करते हैं और उसे ढालते हैं।

शिक्षक कितनी मेहनत से काम करते हैं?!

- समुदाय का योगदान: शिक्षक अपने नए ज्ञान और अनुकूलित सामग्री को व्यापक पेशेवर नेटवर्क के साथ साझा करते हैं, जिससे ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (OER) को बढ़ावा मिलता है।

शिक्षक कितनी मेहनत से काम करते हैं?!

- प्रोफ़ेशनल पहचान: यह भूमिका शिक्षण को क्यूरेशन, मिलकर ज्ञान बनाने और डिजिटल क्षमता के एक गतिशील अभ्यास में बदल देती है।

शिक्षक कितनी मेहनत से काम करते हैं?!

- 'eduTuber' या 'ed-YouTuber' जैसे शब्दों का इस्तेमाल कभी-कभी उन शिक्षकों के लिए किया जाता है जो उस तरह की गतिविधि में शामिल होते हैं जिस पर हम रिसर्च कर रहे हैं। लोपेज़ एगुइलर (2020) उन्हें 'एक तरह के यूट्यूबर' के तौर पर बताते हैं जो ऐसे वीडियो बनाते हैं जिनमें औपचारिक शिक्षा संस्थानों के पाठ्यक्रम (सिलेबस) में शामिल विषयों की जानकारी दी जाती है, साथ ही ऐसी जानकारी भी दी जाती है जिसका मकसद मार्गदर्शन करना या किसी समस्या का समाधान करना होता है।

शिक्षक Prosumer

एक इनोवेटर के रूप में शिक्षक

रचनात्मक शिक्षक

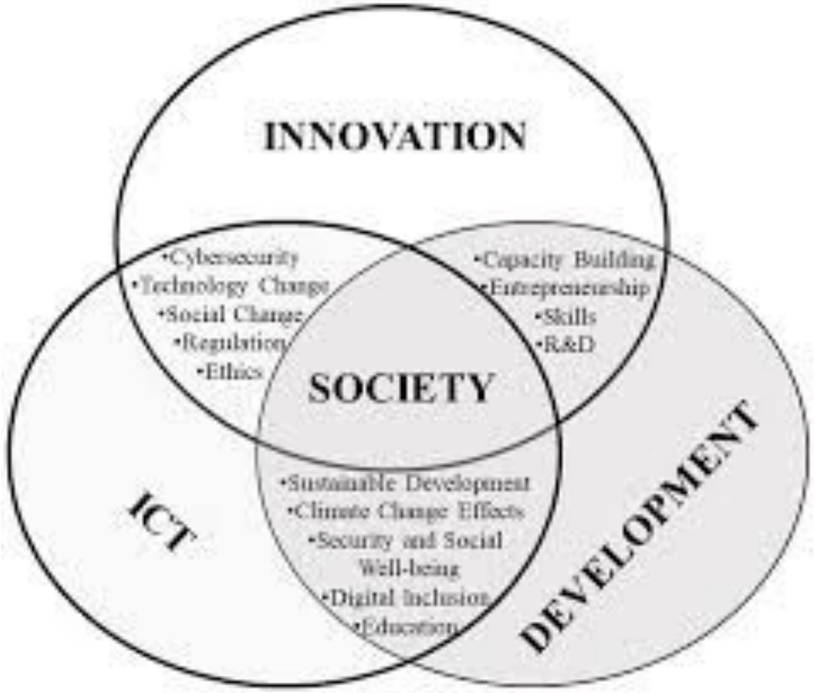
INNOVATION
•Cybersecurity
•Technology Change
•Social Change
•Regulation
•Ethics
•Capacity Building
•Entrepreneurship
•Skills
•R&D
SOCIETY
ICT
DEVELOPMENT
•Sustainable Development
•Climate Change Effects
•Security and Social Well-being
•Digital Inclusion
•Education

रचनात्मक शिक्षक

बदलाव, दूसरे शब्दों में लिखना, सारांश बनाना, संदर्भ के अनुसार समझना

आईडिया जनरेशन, अनुकूलन

Prosumer शिक्षक

The Dimensions of Teacher Prosumption

LEVEL	ACTIVITY	DESCRIPTION
Consumer	Passive consumption	Using existing digital resources without modification
Curator	Selective aggregation	Organising and contextualising resources from multiple sources
Remixer	Adaptive recombination	Combining and recombining artefacts from various sources
Creator	Original production	Designing and producing original digital content
Prosumer	Integrated practice	Seamlessly moving between consumption, curation, remixing, and creation

इस्तेमाल करना , रीमिक्स करना , अपनाना , बनाना , शेयर करना , मिलकर बनाना

प्रोसुमर के तौर पर शिक्षक - दर्शन

प्रोसुमर के तौर पर शिक्षक - दर्शन

Merits of Critical Pedagogy

- It is based on problem based approach which helps in critical analysis.
  हे समस्या आधारित दृष्टिकोनावर आधारित आहे जे गंभीर विश्लेषणास मदत करते.
- Critical pedagogy transforms the learner from objects to subjects.
  चिकित्सक अध्यापनशास्त्र शिकणाऱ्याला वस्तूंमधून विषयांमध्ये रूपांतरित करते.
- It makes learner more active.
  हे शिकणाऱ्याला अधिक सक्रिय बनवते.
- To develop the habit of multi- Dimensional thinking & innovative thinking.
  बहुआयामी विचार आणि नाविन्यपूर्ण विचारांची सवय लावते.
- It focused on dialogue instead of a one way transmission of knowledge.
  ज्ञानाच्या एकेरी प्रसारणाऐवजी संवादावर लक्ष केंद्रित करते.

Asst. Prof. Dipak P. Khakal

प्रोसुमर के तौर पर शिक्षक - दर्शन

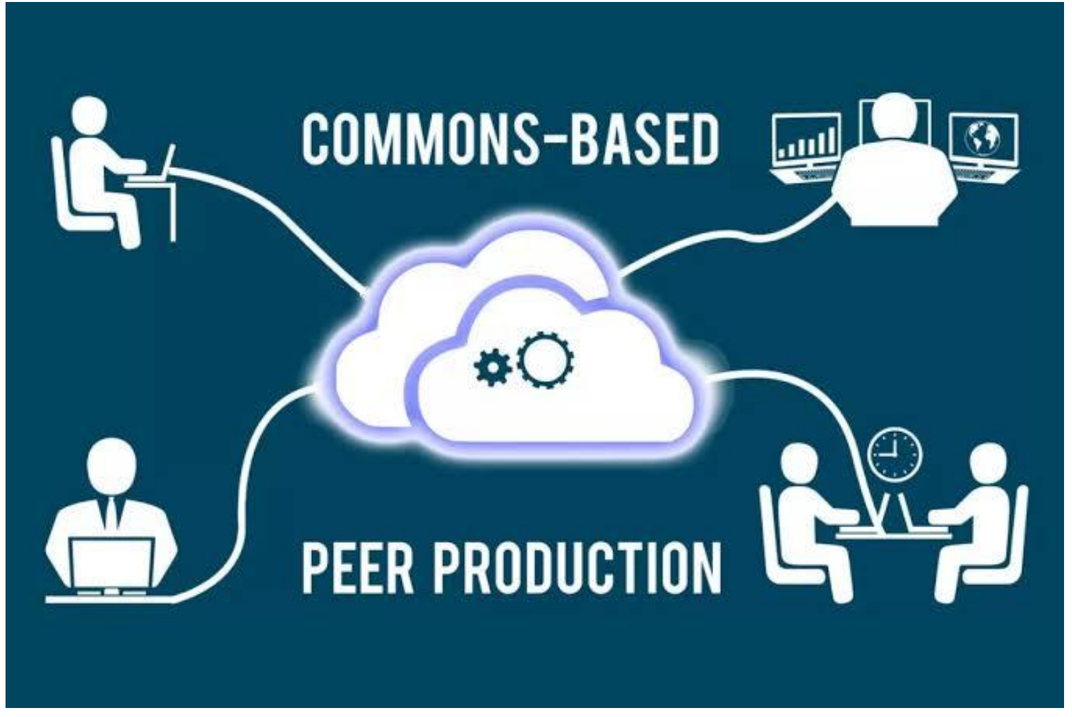

प्रोसुमर के तौर पर शिक्षक - दर्शन

कॉमन्स-बेस्ड पीयर प्रोडक्शन (CBPP) प्रोडक्शन का एक सामाजिक-आर्थिक मॉडल है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग—ज़्यादातर इंटरनेट के ज़रिए—बिना किसी पारंपरिक पदानुक्रमित ढांचे या सीधे वित्तीय प्रोत्साहन के, साझा संसाधन बनाने के लिए सहयोग करते हैं।

प्रोसुमर के तौर पर शिक्षक

Platforms Facilitating Digital Prosumption

Teacher-prosumers rely on diverse platforms that enable simultaneous consumption and production:

Open Educational Resources (OER) Repositories

- Access diverse digital learning materials
- Customize and remix content
- Share created resources with a global community

Social Knowledge & Curation Networks

- Follow thought leaders and topics
- Curate and share professional bookmarks
- Engage in professional learning communities (PLCs)

Collaborative Coding & Multimedia Tools

- Develop custom educational apps
- Create interactive multimedia content
- Co-author software and projects with peers

Learning Management Systems (LMS) with Open Architecture

- Integrate external content and tools
- Design customized learning pathways
- Facilitate peer-to-peer evaluation and feedback

प्रोसुमर के तौर पर शिक्षक

Best Practices for Teacher-Prosumers

To maximize efficacy and minimize digital fatigue, teacher-prosumers should adhere to established industry best practices:

Design for Universal Design for Learning (UDL)

- Create multiple means of representation
- Offer varied options for expression
- Ensure accessibility for all learners

Practice Modular Content Creation

- Break down content into smaller, reusable units
- Facilitate easy updates and revisions
- Allow for flexible curriculum design

Maintain Version Control

- Use a consistent file naming convention
- Keep track of revisions and changes
- Backup and store previous versions

Foster Student Co-Prosumption

- Involve students in content creation
- Encourage collaborative projects and peer review
- Value student voice and contributions

प्रोसुमर के तौर पर शिक्षक

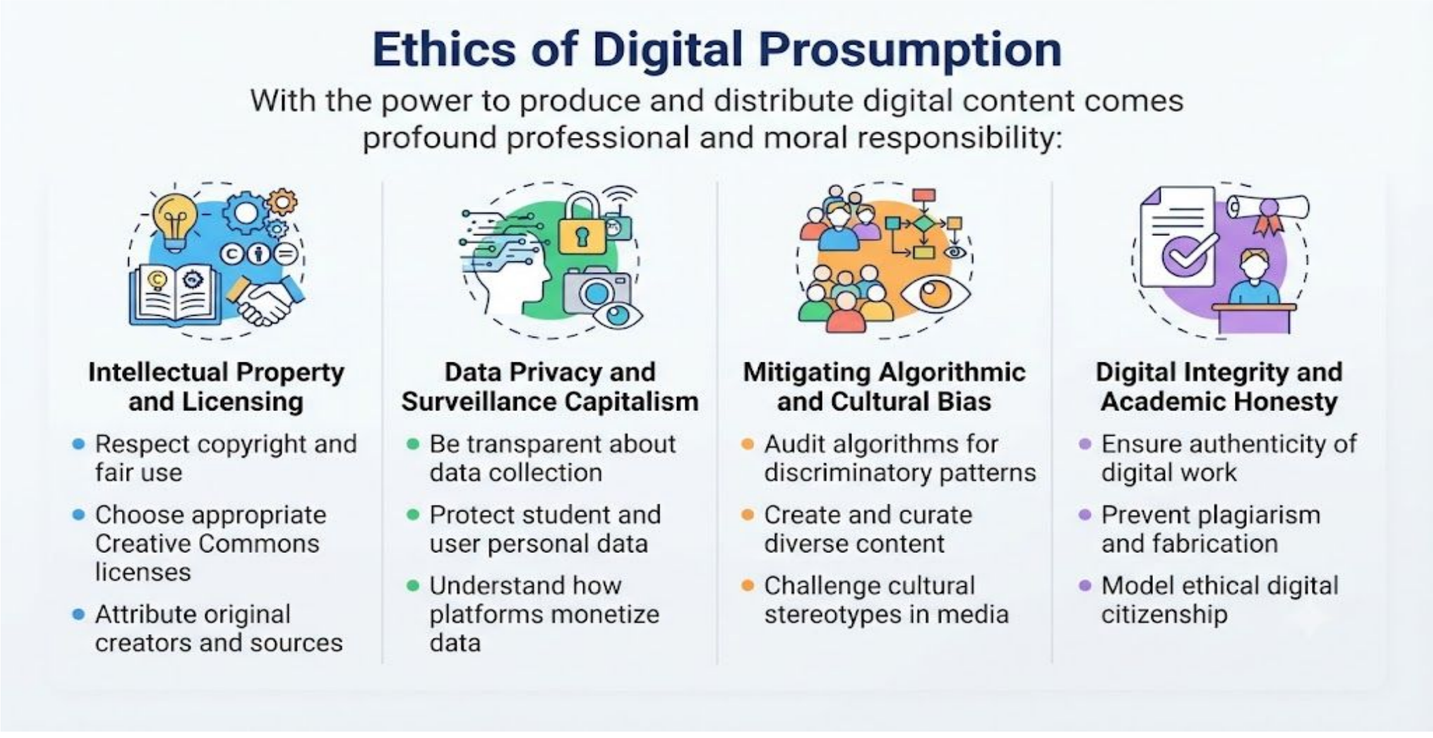

प्रोसुमर के तौर पर शिक्षक

Institutional and Administrative Support

Educational institutions (schools, colleges, and universities) must move away from **top-down, rigid administrative models** and embrace cultures of distributed leadership and innovation.

	Administrative	Technical	Capacity Building	Social / Community
Core Objective	Legitimize and protect the prosumer role	Reduce operational friction	Elevate techno-pedagogical competence	Combat educator isolation
Key Action Item	Revise promotion criteria to value OER and digital output; establish clear IP rights.	**Key Action Item** Provide open-architecture LMS platforms, reliable hardware, and secure cloud repositories.	**Key Action Item** Conduct continuous training on UDL, legal licensing, and ethical digital creation.	**Key Action Item** Fund and facilitate Communities of Practice and global professional networks.

Thank you for your time!

HAVE A NICE TIME!

Dr Sameer Babu M